



# TIRUPATI BALAJI CHRONICLE

Vol./Year-12 Issue - 13

Hindi / English (Bi-Lingual) Weekly Ghaziabad  
केन्द्र एवं उ०प्र० सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त

www.tbcbgzb.com

## News of the Week

भारत में कोविड-19 के मामले 2 सितंबर तक 38.53 लाख के पार हो गए हैं। जबकि कोरोना की चपेट में आने से 67,376 मरीजों की मौत हो चुकी है। वहीं देश में 8.15 लाख मरीजों का इलाज चल रहा है और अब तक 29.70 लाख लोग ठीक हो चुके हैं।

## Inside Ghaziabad

### पेज नंबर 2

प्रशासन ने नगर निगम से मांगी जलभराव वाले स्थानों की सूची

### पेज नंबर 7

यूरिन की प्रोब्लम हल्के में न ले, हो सकता है कैंसर...



## हेल्प लाइन नंबर

मास्क और सैनिटाइजर कालाबाजारी की सूचना दें  
0120-2829040

जरूरी सामान की दुकान बंद कराए या मीडियाकर्मियों को रोके तो सूचना दें  
9454403434

कोरोना वायरस के सैंपल लेने के लिए जिला एमएमजी अस्पताल स्थित कंट्रोल रूम का नंबर  
07011477836

संयुक्त जिला अस्पताल में स्थापित कंट्रोल रूम  
0120-2783098

## कवरेज के दौरान मीडिया कर्मियों से मारपीट

लोनी : टीला शहबाजपुर गांव में रविवार शाम कवरेज कर रहे मीडियाकर्मियों के साथ जनप्रतिनिधि के बेटे ने मारपीट कर दी। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। टीला शहबाजपुर गांव निवासी मीडियाकर्मियों जयवीर मावी रविवार शाम गांव स्थित बारात घर में चैनल के लिए लाइव कवरेज कर रहे थे। आरोप है कि तभी स्थानीय जनप्रतिनिधि और उनका बेटा कुछ साथियों के साथ वहां पहुंचे। उन्होंने मारपीट करते हुए कैमरा छिनने का प्रयास किया। उन्होंने वहां से भाग कर अपनी जान बचाई। बॉर्डर थाना प्रभारी ज्ञानेश्वर बौद्ध का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मामले की जांच की जा रही है।

**BUREAU OFFICE**  
**PRATEEK BHARGAVA**  
Bureau Chief  
12/516, Friends Co-operative Society Vasundhara, Ghaziabad (UP)  
Mobile +91 8130640011  
Email : prateekb@tbcbgzb.com  
www.tbcbgzb.com  
Contact for Press Release and Advertisements

# हाईटेंशन लाइन का खंभा हुआ टेढ़ा तारों को छू रहे पेड़, हादसे का डर

वसुंधरा निवासी डॉ.धीरज भार्गव ने जनसुनवाई पोर्टल पर की शिकायत, पेड़ों की हो छाटाई, खंभा हो सीधा

गाजियाबाद : वसुंधरा सेक्टर-12 स्थित ग्रीन बेल्ट में बनी परमानंद वाटिका से गुजर रही हाईटेंशन लाइन का एक खंभा टेढ़ा हो रहा है वहीं पेड़ भी तारों को छू रहे हैं। इस संबंध में स्थानीय निवासी व रोटरी क्लब ऑफ इंदिरापुरम गैलोर के चार्टर प्रेसीडेंट डॉ.धीरज कुमार भार्गव ने दो सितंबर को मुख्यमंत्री के जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई है।

डॉ.धीरज कुमार भार्गव ने मुख्यमंत्री के जनसुनवाई पोर्टल में दर्ज कराई शिकायत में बताया है कि वसुंधरा सेक्टर-12 स्थित लिंक रोड किनारे ग्रीन बेल्ट में परमानंद वाटिका बनी हुई है। निकट ही बिजलीघर होने से इसमें से बिजली विभाग की तीन हाईटेंशन लाइन गुजर रही है। जिसमें से एक लाइन बंद है जबकि दो लाइन चालू हैं। एक हाईटेंशन



लाइन का एक खंभा पिछले कई माह से टेढ़ा हो रहा है। जिसके गिरने का डर हमेशा बना रहता है। इसे सीधा कराने के लिए वसुंधरा सेक्टर-12 में ही स्थित बिजली घर पर भी शिकायत दर्ज कराई गई लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। इसके अलावा परमानंद वाटिका में ही पेड़ बहुत

बड़े हो गए हैं जो यहां से गुजर रही हाईटेंशन लाइन को छू रहे हैं। जिससे तारों व पेड़ों के टच होने से आए दिन चिंगारी निकलती रहती है। बरसात में तो स्थिति खतरनाक हो जाती है। पेड़ों में करंट तक उतर आता है। वाटिका में सुबह-शाम घुमने के लिए लोग आते हैं। इससे हादसे का डर

वसुंधरा सेक्टर-12 स्थित ग्रीन बेल्ट में बनी परमानंद वाटिका का मामला

हमेशा बना रहता है। बिजली विभाग से पेड़ों की छाटाई व खंभा सीधा करने के लिए कई बार कहा गया लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। उन्होंने कहा कि यदि इससे कोई हादसा होता है तो इसकी जिम्मेदारी बिजली विभाग की होगी। क्योंकि बार-बार शिकायत करने पर भी विभाग द्वारा कोई सुनवाई नहीं की जा रही है। इसी का ही नतीजा है कि मुख्यमंत्री के जनसुनवाई पोर्टल का सहारा लेना पड़ा। उन्होंने कहा कि यदि इस बार भी उनकी समस्या का समाधान नहीं किया गया तो उर्जा मंत्री को पत्र भेजकर शिकायत दर्ज कराई जाएगी।

## चाइल्ड लाइन व सीडब्ल्यूसी के साथ पुलिस चलाएगी अभियान

गाजियाबाद : भीख मांगने और बाल मजदूरी में लगे बच्चों को मुक्त करा स्वजनों से मिलाया जाएगा। साथ ही बच्चों से भीख मांगने वाले गिरोह पर भी नकेल कसी जाएगी। गाजियाबाद पुलिस श्रम विभाग, चाइल्ड लाइन और बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) के साथ कल से पूरे जिले में यह अभियान चलाएगी। एसएसपी कलानिधि नैथानी ने सीओ प्रथम अभय कुमार मिश्र को इसके लिए नोडल अधिकारी बनाया है। जिले में सैकड़ों की संख्या में बच्चे भीख मांगते हुए मिल जाते हैं। खासकर शहर में ट्रैफिक सिग्नल, रेलवे स्टेशन, बस अड्डा, मेट्रो स्टेशन के आसपास बड़ी

संख्या में बच्चे भीख मांग रहे हैं। ट्रैफिक सिग्नल पर अपनी जान को खतरे में डालकर ये बच्चे 5-10 रुपये की खातिर गाड़ियों के शीशे साफ करते हैं। कई जगह बच्चों से बाल मजदूरी भी कराई जा रही है। सीओ प्रथम ने बताया कि बच्चों को रेस्क्यू करने में चाइल्ड लाइन की मदद ली जाएगी और फिर सीडब्ल्यूसी के समक्ष इन्हें पेश किया जाएगा। पुलिस इनके स्वजनों का पता लगाएगी और सीडब्ल्यूसी के माध्यम से उनकी सुपुर्दगी में दिया जाएगा। अभियान के संबंध में सोमवार को सीओ दोनों विभागों के साथ बैठक करेंगे।

## Four doctors sent notices for not attending to patients

GHAZIABAD: The chief medical officer (CMO) has issued notices to four doctors deputed at the primary and community health centres across the city. The move came after a surprise inspection conducted last month. "In July, a surprise inspection was conducted by officials from the Lucknow health department to check Covid-19 preparedness. They had received several complaints from patients, in which they had alleged that doctors at the PHCs and CHCs in Dasna, Muradnagar, Loni were not attending to patients. Also, records showed that not a single operation of performed

during that period," said an official from the health department. "The inspecting team had asked the CMO to take action against four erring doctors, but in vain. Following this, the inspecting team had submitted the report to the state government. On fresh direction from the government, the CMO issued showcause notices to the doctors on Saturday," added the official. Meanwhile, in a review meeting held at the Integrated Control Command Centre at Noida's Sector 59 on Saturday, DM Suhas LY issued directions to the officials from the administration and the health department.

## पुलिस की मदद से जलभराव में नहाने वालों को रोकेगा नगर निगम

गाजियाबाद : गोशाला अंडरपास हादसे से सबक लेकर नगर निगम जलभराव वाले स्थानों पर बच्चों और युवकों को नहाने से रोकने के लिए पुलिस की मदद लेगा। मेयर आशा शर्मा ने इस संबंध में नगर आयुक्त को निर्देश जारी किया है। निगम क्षेत्र में 73 स्थानों पर बारिश में ज्यादा जलभराव होता है। इनमें से बहुत से स्थानों पर तालाब बन जाता है। वहां बच्चे और युवक नहाते हैं। ऐसे में हादसा होने का खतरा है। गोशाला अंडरपास उनमें से एक स्थान है। वहां हाल में हादसा हुआ है। पानी में डूबने से युवक की मौत हो चुकी है। इस हादसे से सबक लेते हुए नगर निगम ने तय किया है कि जलभराव वाले स्थानों पर नहाने से बच्चों और युवकों को रोका जाएगा।

### नहीं सुन रहा निगम, लोग खुद करा रहे सफाई

साहिबाबाद : नगर निगम द्वारा सुध न लिए जाने से परेशान होकर शालीमार गार्डन के विजय पार्क के निवासियों ने रविवार को खुद ही सर्विस लेन की सफाई कराई। आरडब्ल्यू पदाधिकारी गोपाल बूबना ने बताया कि विजय पार्क आवासीय सोसायटी में सफाई न होने से गंदगी और कूड़े का ढेर इकट्ठा हो गया था। इससे कालोनी में मच्छर पनपने शुरू हो गए थे। कई बार निगम अधिकारियों से सर्विस लेन की सफाई कराने की मांग की गई थी। लेकिन किसी ने कोई सुनवाई नहीं की। इसके बाद लोगों ने निजी खर्च पर बंद नालियों को खुलवाकर कूड़ा उठवाने का कार्य किया।

## चार युवकों ने की टैक्सी चालक की पिटाई, पुलिस ने अज्ञात में की रिपोर्ट

साहिबाबाद : महाराजपुर पुलिस चौकी के पास चार युवकों ने टैक्सी चालक की जबरदस्त पिटाई की। उसे पास स्थित नाले में फेंक दिया। चालक ने एक युवक को नामजद करते हुए लिंक रोड थाना में शिकायत दी। पुलिस ने खेल करते हुए अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर खानापूर्ती कर दी। महाराजपुर में मोहम्मद इमरान परिवार के साथ रहते हैं। वह एप बेस्ड टैक्सी (एसेंट कार) चलाते हैं। उन्होंने बताया है कि इनदिनों एप से बुकिंग कम मिल रही है। इस कारण सामान्य रूप से सवारियां भी बैठा लेते हैं। बृहस्पतिवार को वह महाराजपुर पुलिस चौकी के पास गुरुग्राम के लिए सवारी बैठा रहे थे, तभी वहां

### नहीं हुई सफाई

गोशाला अंडरपास के अंदर पानी निकासी के लिए बनी नाली रविवार को भी गंदी थी। नगर निगम की टीम ने उसे साफ नहीं किया। इससे लोगों में रोष है।

### डिजाइन की होगी जांच

नगर आयुक्त महेंद्र सिंह तंवर ने बताया कि वह गोशाला अंडरपास के डिजाइन की जांच कराएंगे। समझेंगे कि इसमें पानी निकासी की क्या व्यवस्था की गई है। फिर ठोस रणनीति बनाकर इसमें जलभराव की समस्या का समाधान करने के लिए कदम आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने बताया कि इस काम में वक्त लगेगा।

## वैशाली में पार्क का ताला तोड़कर दोबारा कूड़ाघर बनाने की कोशिश

वैशाली : हाल ही में कूड़ाघर से आजाद कराए गए वैशाली सेक्टर-4 स्थित पार्क के गेट का ताला तोड़कर उसे दोबारा कूड़ाघर बनाने की कोशिश की गई। जिसका स्थानीय निवासियों ने जमकर विरोध किया और कूड़ा लेकर पहुंची नगर निगम की गाड़ियों को रोक लिया। स्थानीय निवासियों ने विरोध प्रदर्शन कर नगर निगम के अधिकारियों के खिलाफ नारेबाजी की। सूचना पर हरकत में आए नगर निगम के अधिकारियों ने पार्क में फेंके गए कूड़े को हटवाया। आश्वासन दिया कि दोबारा से पार्क में कूड़ा नहीं डालने दिया जाएगा। इसके बाद स्थानीय निवासियों ने विरोध प्रदर्शन करना बंद किया। वैशाली सेक्टर-4 स्थित पार्क को एक साल से नगर निगम के कर्मचारियों ने कूड़ाघर बना दिया था। आसपास की सात

गाजियाबाद : शहर में बारिश के बाद होने वाले जलभराव की समस्या से निजात दिलाने के लिए प्रशासन अब शीघ्र योजना तैयार करेगा। इस संबंध में जिला प्रशासन ने नगर निगम से जलभराव वाले स्थानों की सूची मांगी है। जलभराव वाले स्थानों पर एक-एक कर सुधार की योजना तैयार कराई जाएगी और उसपर संबंधित विभाग द्वारा अमल कराया जाएगा। इस दिशा में प्रशासन जल्द ही संबंधित विभागों की एक संयुक्त समिति का गठन भी करेगा जो जलभराव वाले क्षेत्र के संबंध में अपने सुझाव देगी। इसके साथ ही प्रशासन ने पूर्व में हुई नालों की सफाई के संबंध में भी रिपोर्ट तलब की है। बता दें कि बरसात के इस मौसम में दो बार हुई तेज बारिश के कारण जिले के

सोसायटियों के हजारों लोग बदबू के कारण परेशान हो रहे थे। पार्क में बने कूड़ाघर के विरोध में कई दिन विरोध प्रदर्शन किया गया। जिसके बाद नगर निगम के अधिकारियों ने पार्क में सफाई करवाई और वहां पर कूड़ा फेंके जाने पर रोक लगा दी। पार्क में कूड़ा न फेंका जा सके, इसके लिए वहां गेट भी लगवाया गया। वैशाली सेक्टर-4 सनब्रिज टावर तीन निवासी मनोज अवस्थी ने बताया कि रविवार को नगर निगम की चार-पांच गाड़ियों में कूड़ा लेकर सफाई कर्मचारी वहां पहुंचे। गेट का ताला तोड़कर दो गाड़ियों में भरा कूड़ा पार्क में फेंक दिया गया। इस दौरान आसपास के लोग एकजुट हो गए, उन्होंने पार्क का गेट बंदकर कूड़ा डालने से सफाई कर्मचारियों को रोका और नगर

### उत्तराखंड समाज के लोगों ने की बैठक

साहिबाबाद : वैशाली सेक्टर दो डी-ब्लॉक स्थित दुर्गा मंदिर में उत्तराखंड समाज समाज के लोगों ने बैठक की। इस बैठक में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) महानगर गाजियाबाद के पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया। इस दौरान राजनीति में उत्तराखंड वासियों की भूमिका पर चर्चा हुई। भाजपा नेता दिनेश लखेरा की ओर से बैठक का आयोजन किया गया। निगम पार्षद मोहन सिंह रावत की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक का संचालन चंदन सिंह ने किया। इस दौरान वर्तमान परिवेश में उत्तराखंड समाज की राजनीति में भूमिका पर चर्चा की गई।

### अधिकारियों की जिम्मेदारी होगी तय

बरसात से पूर्व नगर निगम ने शहर के नालों की सफाई कराई थी। इस संबंध में प्रशासन ने नगर निगम से रिपोर्ट तलब की है। जिन नालों के जाम रहने के कारण जलभराव की समस्या हो रही है और उन्हें पूर्व में साफ कराया जा चुका है। इस संबंध में प्रशासन द्वारा संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी।

लोग कई स्थानों पर जलभराव की समस्या से जूझ चुके हैं। शुक्रवार को हुई तेज बारिश के चलते शहर में विभिन्न स्थानों पर जलभराव हो गया था। इस दौरान गोशाला अंडर पास में नहा रहे एक युवक की डूबने से मौत भी हो गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय ने सिटी मजिस्ट्रेट शिव प्रताप शुक्ला को जांच सौंपी थी। इसके साथ ही जिलाधिकारी

ने नगर निगम के अधिकारियों के साथ जलभराव वाले स्थानों का निरीक्षण कर निगम के अधिकारियों को निर्देश भी दिए थे। अब जलभराव की समस्या से निजात दिलाने के लिए प्रशासन विभिन्न विभागों के साथ मिलकर योजना तैयार कर कार्यवाही कराएगा। जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय ने बताया कि जलभराव की समस्या से निपटने के लिए जल्द ही योजना तैयार कराई जाएगी।

### ग्रीन बेल्ट की सफाई कर खुद ही पौधे लगा रहे स्थानीय लोग

साहिबाबाद : हिंडन नहर के किनारे ग्रीन बेल्ट की सफाई कर पौधरोपण करने के लिए स्थानीय निवासी लगातार काम कर रहे हैं। रविवार को भी वैशाली और वसुंधरा में निवासियों ने सफाई कर पौधारोपण किया। वैशाली सेक्टर छह ग्रीन बेल्ट में स्थानीय निवासियों ने रविवार को साप्ताहिक सफाई अभियान चलाया। इस दौरान ग्रीन बेल्ट की सफाई की और बड़ी मात्रा में प्लास्टिक, बिल्डिंग वेस्ट मैटेरियल व कूड़ा निकाला। स्थानीय निवासी ग्रीन बेल्ट को साफ करने के लिए पिछले कई माह से काम कर रहे हैं। साथ ही पौधारोपण भी करते हैं।

## तुलसी निकेतन में दो माह से नहीं उठ रहा कूड़ा, लोगों में गुस्सा

साहिबाबाद : तुलसी निकेतन कालोनी में दो माह से कूड़ा न उठाए जाने से परेशान स्थानीय निवासियों में गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के खिलाफ गुस्सा है। कालोनी को कूड़ाघर बनने से बचाने के लिए निवासियों ने शनिवार को निजी खर्च पर सफाई कर्मचारी रखे हैं, जिससे की कालोनी में सफाई हो सके। तुलसी निकेतन आरडब्ल्यू के पदाधिकारी बलवंत रावत ने बताया कि कालोनी में पांच हजार से अधिक परिवार रहते हैं। जिनको बुनियादी सुविधाएं न मिलने से परेशानी हो रही है। करीब डेढ़ माह से कूड़ा नहीं उठाया जा रहा है, पहले 15 सफाई कर्मचारी कालोनी में सफाई करने के लिए आते थे लेकिन अब

जीडीए द्वारा 3-4 सफाई कर्मचारियों को कूड़ा उठाने और साफ सफाई के लिए भेजा जाता है। सफाई कर्मचारियों की संख्या कम होने के कारण सभी घरों से कूड़ा नहीं उठाया जा रहा था, जिस कारण गंदगी हो रही थी। परेशान होकर स्थानीय निवासियों ने निजी खर्च पर सफाई कर्मचारियों से शनिवार को कूड़ा उठवाया है और कालोनी की सफाई करवाई है। जीडीए के अधीक्षण अभियंता एसके सिन्हा का कहना है कि कॉलोनी में कूड़ा उठाने का ठेका जिस कंपनी को दिया गया था, उसकी समय सीमा समाप्त हो चुकी है। फिलहाल कालोनी में सफाई के लिए अस्थाई व्यवस्था की गई है, जल्द ही स्थाई व्यवस्था की जाएगी।



## कोरोना काल में वृद्धों की होगी विशेष निगरानी, किए चिह्नित

गाजियाबाद : कोरोना वायरस के दृष्टिगत वृद्धजनों को इसके संक्रमण से बचाने के लिए प्रशासन ने नई पहल की है। इसके तहत अब जिले में वृद्ध लोगों को तलाशकर उनकी विशेष निगरानी की जाएगी। इसके लिए प्रशासन ने अलग से सर्विलांस टीमों का गठन किया है। टीमों लगातार वृद्धों से संपर्क कर उनमें होने वाले लक्षणों व उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी लेंगे। जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय ने बताया कि इस योजना के लिए जिले में 11655 वृद्धावस्था पेंशनरों व 17253 सेवानिवृत्त कर्मचारियों की सूची तैयार कराई गई है।

राजनगर एक्सटेंशन में पहले से दारू का ठेका होने के बाद भी खुली मॉडल शॉप

गाजियाबाद : फेडरेशन ऑफ एओए राजनगर एक्सटेंशन के पदाधिकारियों के एक प्रतिनिधि मंडल ने राजनगर एक्सटेंशन में खुली मॉडल शॉप के खिलाफ सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपा। और मॉडल शॉप को आवासीय क्षेत्र में स्थानांतरित करने की मांग की। फेडरेशन के अध्यक्ष एडवोकेट गजेंद्र आर्य ने बताया कि स्थानीय जनता के भारी विरोध के बावजूद एक वाइन शॉप पहले से ही औरा काइमेरा मार्केट में चल रही है। अब नियमों को ताक पर रखकर एक मॉडल शॉप खाली पड़े प्लॉट में के डब्ल्यू सृष्टि के सामने भी खोल दी गई है। शाम होते ही शराबियों के दारू पीकर सड़क पर घूमने का सिलसिला शुरू हो जाता है।

## स्कूलों द्वारा ली जा रही फीस के विरोध में अभिभावकों ने थाली बजाकर किया प्रदर्शन

गाजियाबाद : निजी स्कूलों के विरोध में अभिभावकों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर गाजियाबाद पेरेंट्स एसोसिएशन के बैनर तले थाली बजाकर प्रदर्शन किया। थाली, शंख और ढोल बजाकर जुलूस निकालने के लिए हापुड़ चुंगी पर पहुंचे अभिभावकों को रोकने के लिए प्रशासन ने किया पुलिस बल और अधिकारियों को तैनात किया। जीपीए की अध्यक्ष सीमा त्यागी ने बताया कि निजी विद्यालय शासन और प्रशासन के आदेशों का लगातार उल्लंघन कर रहे हैं। शिकायत पर कार्रवाई केवल नोटिस तक सीमित होती है। जिसका विद्यालयों पर कोई असर नहीं होता है। तिमाही फीस माफी समेत विभिन्न मांगों को लेकर हापुड़ चुंगी से थाली बजाओ, सरकार जगाओ कार्यक्रम में हापुड़ चुंगी से जुलूस निकालने की

सर्विलांस टीमों को इनके मोबाइल नंबर, नाम, पता व अन्य जानकारी दी गई हैं। सर्विलांस टीमों को निर्देश दिए गए हैं कि वह वृद्धावस्था पेंशनरों व सेवानिवृत्त कर्मचारियों पर विशेष निगरानी रखे और प्रत्येक वृद्धाजन के घर अवश्य जाएं। इस दौरान यदि उनके परिवार में यदि कोई लक्षण खांसी, जुकाम, बुखार, सांस लेने में दिक्कत वाला पाया जाता है तो उनका टेस्ट कराने के साथ उन्हें कोरोना के प्रति जागरूक किया जाए। इस कार्य के लिए प्रशासन ने एकीकृत नियंत्रण कक्ष में ओल्ड ऐज सर्विलांस विंग भी खोली है। यह विंग सर्विलांस के कार्यों पर निगाह रखेगी।

## अलकनंदा व मंदाकिनी टावर हुए जर्जर, खतरे में जान

साहिबाबाद : वैशाली सेक्टर चार स्थित अलकनंदा और मंदाकिनी टावर जर्जर होने से उनमें रहने वाले 45 परिवार परेशान हैं। दोनों टावरों के पिलर, दीवारें जर्जर हो चुकी हैं। इससे लोग दहशत में हैं। लोगों को इमारत गिरने का डर सता रहा है। हाल में अलखनंदा

## fuxe us yxk; k fugky LohV4 ij 50 gtkj #i ;s dk tpekŁk

ल क्गककन %वसुंधरा सेक्टर-5 में सड़क पर मलबा फेंकने के आरोप में निहाल स्वीटस पर नगर निगम ने 50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है। जुर्माने की राशि जल्द ही जमा कराने के लिए कहा गया है। नगर निगम वसुंधरा जोन में कार्यरत अवर अभियंता पूजा सिंह ने बताया की एक सप्ताह पूर्व शिकायत मिली

योजना थी, लेकिन जिला प्रशासन ने हापुड़ चुंगी पर पुलिस बल तैनात करने के साथ सिटी मजिस्ट्रेट भी हापुड़ चुंगी पहुंच गए और जुलूस न निकालने का अनुरोध किया। अभिभवकों ने जुलूस न निकालकर जिलाधिकारी कार्यालय के सामने थाली बजाकर प्रदर्शन किया। सिटी मजिस्ट्रेट शिव प्रताप शुक्ल ने दो सितंबर से पहले स्कूल फीस मामले में ठोस निर्णय का आश्वासन दिया। इस मौके पर उपाध्यक्ष जगदीश बिष्ट ने बताया कि थाली बजाओ, सरकार जगाओ कार्यक्रम के माध्यम से दो सितंबर की अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल से पहले जिला प्रशासन और सरकार को संदेश दिया कि अभिभावकों मांगों को पूरा नहीं किया गया तो दो सितंबर को भूख हड़ताल पर बैठने के लिए मजबूर होंगे।

ऑटो चालक ने यातायात कर्मों के साथ की अभद्रता

साहिबाबाद : लोनी के ट्रॉनिका सिटी थाना क्षेत्र स्थित पुश्ता पुलिस चौकी के पास मंगलवार सुबह मार्ग पर लगे जाम को खुलवाने के दौरान एक ऑटो चालक ने यातायात कर्मों के साथ अभद्रता की। जिसपर स्थानीय पुलिस ने चालक को गिरफ्तार कर ऑटो को सीज कर दिया है। ट्रॉनिका सिटी थाना प्रभारी ओपी सिंह ने बताया कि मंगलवार सुबह करीब दस बजे दिल्ली सहानपुर मार्ग पर जाम लगा हुआ था। यातायात पुलिस कर्मी पुश्ता पुलिस चौकी के सामने मार्ग पर जाम खुलवा रहे थे। तभी एक यातायात कर्मी ने रोड किनारे खड़े ऑटो चालकों को वहां से जाने के लिए कहा। जिसपर एक ऑटो चालक ने उनके साथ अभद्रता की।

अपार्टमेंट के प्लैट में प्लास्टर टूटकर गिर गया था। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने वैशाली स्कीम के तहत 20 टावर वर्ष 1989 में बनाए थे। इसके बाद जीडीए ने इन टावरों को विभिन्न बिल्डर व सरकारी संस्थाओं को बेच दिया। इनमें से अलखनंदा और

थी कि वसुंधरा सेक्टर-5 में निहाल स्वीटस के नाम से दुकान है, दुकान मालिक ने भवन के बाहर मलबा डाल रखा है। इस मलबे के कारण आसपास रहने वाले निवासियों को परेशानी होती है। मौके पर जाकर जांच की गई तो आरोप सही पाए गए। जिसके बाद दुकान मालिक को एक सप्ताह के अंदर मलबा हटाने के

अभिभावकों ने की मांग, विद्यालयों पर हो कार्रवाई

गाजियाबाद : ऑल स्कूल पेरेंट्स एसोसिएशन के बैनर तले अभिभावकों ने अपनी मांगों को लेकर भूख हड़ताल की। अभिभावकों का कहना है कि जिला शुल्क नियामक समिति की बैठक नहीं की जाती है तो आंदोलन तेज होगा। बैठक कर शासनादेश का उल्लंघन कर रहे विद्यालयों पर कार्रवाई समेत अभिभावकों ने अपनी अन्य मांगें रखी हैं। एसोसिएशन की राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवानी जैन ने बताया कि स्कूलों द्वारा शासनादेश का उलंघन कर अभिभावकों पर फीस के लिए दबाव बनाया जा रहा है। बच्चों को ऑनलाइन कक्षाओं, परीक्षा से वंचित किया जा रहा है। कितनी ही बार अभिभावक शिकायत कर चुके हैं।

## अब कोरोना जांच रिपोर्ट मिलेगी मोबाइल पर

गाजियाबाद : कोरोना जांच रिपोर्ट के लिए अब जिला एमएमजी अस्पताल में जाने की जरूरत नहीं हैं। अब जांच रिपोर्ट एसएमएस के जरिए मोबाइल फोन पर भेजना शुरू हो गया है। स्वास्थ्य विभाग ने दो दिन में करीब दो हजार सैंपलों की जांच रिपोर्ट आवेदन में दिए गए मोबाइल फोन पर एसएमएस के जरिए भेज दी है। जिला सर्विलांस अधिकारी आर के यादव की निगरानी में दस कर्मचारियों की टीम प्रतिदिन आने वाले जांच रिपोर्ट का पूरा विवरण तैयार कर रहे हैं। उनके मुताबिक यह विवरण एनआईसी गाजियाबाद को भेज दिया जाता है। एनआईसी द्वारा सीधे लखनऊ से ही रिपोर्ट भेजी जाती है। इस व्यवस्था से जिला

## खतरे में जान

मंदाकिनी टावर जीडीए के पास ही हैं। दोनों टावर में 79-79 प्लैट हैं। अलकनंदा में 50 परिवार व मंदाकिनी में करीब 45 परिवार रहते हैं। अलकनंदा निवासी अमित कुमार का कहना है कि दोनों टावर के रहने वालों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी।

लिए नोटिस दिया गया। इसके बाद मंगलवार को दोबारा टीम मौके पर पहुंची तो मलबा जस का तस पड़ा रहा, उसे मौके से हटाया नहीं गया था। अवर अभियंता ने बताया कि नोटिस दिए जाने के बाद भी मलबा न हटाने पर निहाल स्वीटस पर 50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

## विकास भवन व चार ब्लॉक कार्यालयों से एक माह में निकली 10 टन रद्दी

गाजियाबाद : मुख्य विकास अधिकारी के निर्देशन में विकास भवन व जिले के सभी चार ब्लॉक कार्यालयों में रखे कागजात को करीब एक माह तक खंगाला गया, जिसमें 10 टन रद्दी निकली। इस रद्दी के बारे में फाइल कवर बनाने वाली एक फैक्ट्री से बात की गई। यह फैक्ट्री 10 टन रद्दी के बदले ढाई टन फाइल कवर विकास भवन को देगी। विकास भवन में करीब 40 विभाग कार्यालय हैं। इसके अलावा जनपद में रजापुर, मुरादनगर, लोनी व भोजपुर पांच ब्लॉक हैं। उक्त कार्यालयों में करीब दो दशक से कागजात को व्यवस्थित करने के लिए कोई पहल नहीं हुई। जबकि अधिकांश कागजात ऑनलाइन हो चुके हैं। इस मामले में मुख्य विकास

एमएमजी अस्पताल में लगने वाली भीड़ खत्म होने लगी है। नेगेटिव रिपोर्ट भी पॉजिटिव रिपोर्ट की तरह बहुत जल्दी पोर्टल पर दर्ज होने के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीमों के पास पहुंच रही है। जिले के किसी भी बूथ से कराई गई जांच की रिपोर्ट के लिए कहीं भी धक्के खाने की जरूरत नहीं है। सैंपल देने के अगले दिन से चार दिन तक बस लगातार एसएमएस देखना होगा। बता दें कि विगत छह महीने में जिले के करीब पौने दो लाख व्यक्तियों की कोरोना जांच हुई है। चार हजार सैंपल की जांच रिपोर्ट लंबित है। करीब दस हजार व्यक्तियों की जांच रिपोर्ट भेजी जानी हैं। रोज करीब चार हजार सैंपल जांच के लिए लैब में भेजे जा रहे हैं।

## जीडीए ने इस वर्ष लगाए 1.18 लाख पौधे, होगा सत्यापन

गाजियाबाद : जीडीए ने इस वर्ष 1.18 लाख पौधे लगाए हैं। जल्द इनका सत्यापन कराया जाएगा। यह देखने के लिए कि इनमें से कितने पौधे फल-फूल रहे हैं। जो पौधे मुरझा गए हैं, उनकी जगह दूसरे पौधे लगाए जाएंगे। जीडीए सचिव संतोष कुमार राय ने बताया कि हाल में इंदिरापुरम, मधुबन-बापू ाम, राजनगर एक्सटेंशन, कोयल एंवलेव, इंद्रप्रस्थ योजना, सिटी फॉरेस्ट, गोविंदपुरम, मोदीनगर, स्वर्णजयंती पार्क समेत विभिन्न पार्कों और हरित पट्टियों में पौधारोपण किया गया है। शहर को हरा-भरा बनाने और प्रदूषण मुक्त करने के उद्देश्य से पौधे लगाए गए थे। अब इन पौधों को लगे हुए समय हो चुका है।

## ब्लॉक कार्यालयों से 10 टन रद्दी

अधिकारी अस्मिता लाल ने एक माह सभी कार्यालय प्रभारियों को निर्देशित किया कि वह अपने यहां रखे कागजात में बेकार के कागजों को निकालें। एक माह की मेहनत के बाद दो दशक में जहां की तहां रखी फाइलों को खंगाला गया। विकास भवन व ब्लॉक कार्यालयों से निकली रद्दी 10 टन निकली। इस रद्दी को लेकर मुख्य विकास अधिकारी की ओर से फाइल कवर बनाने वाली एक फैक्ट्री से बात की गई, जिन्होंने रद्दी के बदले 25 फीसद यानि 10 टन कागज की रद्दी के बदले ढाई टन फाइल कवर विकास भवन को देने की बात की है, जो विकास भवन के समस्त कार्यालयों के अलावा ब्लॉक कार्यालयों में भी भेजे जाएंगे।

**EDITORIAL****Inevitable collapse: on steepest contraction of GDP**

The inevitable has happened. India's GDP suffered its steepest contraction on record in the April-June quarter, as output shrank 23.9% from a year earlier, provisional data show. It is evident that the stringent COVID-19 lockdowns in force through the first third of the quarter, and substantially in May, hollowed out demand. Private consumption spending, which accounts for almost 60% of GDP, contracted 26.7% as consumers abjured almost all discretionary spending. And exports, which contribute to a fifth of GDP and reflect overseas demand for Indian goods and services, shrank by nearly 20%. Investment activity was the worst-hit, collapsing 47% and shrinking in share of GDP to about 22% from 32% a year earlier as larger businesses conserved cash and refrained from any capital spending in the face of uncertainty, and smaller firms prioritised survival. Across the real economy, every single industry and services sector shrank with the solitary exception of agriculture, which grew 3.4% and outpaced the year earlier quarter's 3% expansion. Construction suffered the most, plunging 50%, followed by the omnibus services category — trade, hotels, communication, transport and broadcasting — which shrank 47%, hit by the pandemic-linked restrictions. Manufacturing too took a severe beating, contracting 39% as demand for products deemed non-essential evaporated, and factories, even after reopening, struggled to run amid shortages of labour and added safety norms.

It was left to the government to keep the bottom from falling out on demand as the Centre's pandemic mitigation expenditure helped expand its consumption spending by 16.4% year-on-year and softened the overall blow to GDP. However, with the fiscal deficit already having exceeded the full-year's budgeted target in just the first four months, and revenue receipts impacted by the economic contraction, the government is unlikely to maintain a similar trend in expenditure growth over the next three quarters. Unless, of course, it is prepared to forsake its vaunted fiscal conservatism and finds innovative ways to mobilise resources. The still rising trajectory of new COVID-19 infections and a high level of job losses and income erosion are also sure to retard any recovery in momentum. If the latest survey-based data from IHS Markit show manufacturing PMI for August signalling growth for the first time in five months, the same researcher's findings also stress that "job shedding continues at a strong rate" in the industry. Equally significantly, the output numbers which are expected to undergo revision given the acknowledged difficulties in collecting data, do not capture a swathe of informal sector activity that was severely impacted. Agriculture too faces headwinds in the form of higher-than-ideal rainfall in August in several key crop growing regions in western and central India and with the impact of recent farm market ordinances yet to play out, it may be a while before the end of the tunnel is sighted.

**-By Dr. Dheeraj Kumar Bhargava**

**रविवार को खुली रही मीट की दुकान, विरोध**

साहिबाबाद : अर्थला में रविवार को मीट की दुकान खुली रही। जिसका स्थानीय निवासियों ने विरोध जताया और दुकान बंद कराने की मांग की। अर्थला में मुख्य मार्ग पर तार कंपनी के पास मीट की दुकान खुली देख स्थानीय निवासियों ने हंगामा किया। उन्होंने दुकान बंद कराने की मांग की,

दुकानदार दुकान बंद करने के लिए तैयार नहीं हुआ। जिसके बाद मामले की सूचना पुलिस को दी गई। स्थानीय पुलिस ने मौके पर जाकर शांति व्यवस्था कायम की। थाना प्रभारी निरीक्षक साहिबाबाद अनिल शाही ने बताया कि साप्ताहिक लॉकडाउन का पालन कराया जा रहा है।

**बिल्डर की खुली फाइल, एनएचएआई के 44 करोड़ हड़पने का प्रयास**

गाजियाबाद : दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे के अंतिम चरण में मुआवजे का बड़ा पेच फंस गया है। पचास साल बाद सरकारी रिकॉर्ड रूम में मुआवजे की फाइल तलाशी जा रही है। महारौली के सात भाइयों का दावा है कि उन्हें अब तक मुआवजा नहीं मिला है। दूसरी ओर फर्जी दस्तावेजों के जरिए 44 करोड़ का मुआवजा हासिल करने का प्रयास करने वाले मकनपुर के एक नामी बिल्डर की फाइल भी एनएचएआई और प्रशासन ने खोल दी है। महारौली के रहने वाले तेजपाल सिंह के मुताबिक 1972 में सरकार ने उनकी जमीन अधिग्रहित की थी। तेजपाल के अलावा उनके छह भाइयों बिजेंद्र, बाबू, राजबीर, कुंवरपाल, यशवीर और राजेंद्र सिंह की भी जमीन है। उनका आरोप है कि एनएच-9 चौड़ीकरण में एनएचएआई करीब 2063 वर्गमीटर जमीन के उस हिस्से पर भी काम कर रही है, जिसका मुआवजा आज तक नहीं दिया गया। पचास वर्ष बाद इसी साल अप्रैल में सातों भाइयों ने मुआवजा का दावा पेश किया। ये सर्किल दरों के हिसाब से मुआवजे की मांग कर रहे हैं। महारौली गांव की जमीन की पैमाइश

**फार्म हाउस में क्वारंटाइन हुए राज्यमंत्री**

गाजियाबाद : अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद प्रदेश के स्वास्थ्य एवं चिकित्सा राज्यमंत्री अतुल गर्ग कनावनी स्थित अपने फार्म हाउस में कोरेंटाइन हो गए हैं। रविवार को फार्म हाउस में पहुंचकर जिला एमएमजी अस्पताल के सीएमएस अनुराग भार्गव ने उनके स्वास्थ्य की जांच की। इस दौरान सभी जांच रिपोर्ट सामान्य आई हैं। पूर्व में कोरोना पॉजिटिव होने के कारण अतुल गर्ग को कौशांबी स्थित यशोदा अस्पताल में भर्ती कराया गया था। 12 दिन तक अस्पताल में भर्ती रहने के बाद उन्हें शनिवार को अस्पताल से छुट्टी दी गई थी।

**प्रधानमंत्री पथ विक्रेता आत्मनिर्भर निधि से 532 पथ विक्रेताओं का लोन स्वीकृत**

गाजियाबाद : प्रधानमंत्री पथ विक्रेता आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना के तहत 532 पथ विक्रेताओं को दस हजार रुपये का लोन मिल गया है। हालांकि, लोन मिलने की गति धीमी है। जिला नगरीय विकास अभिकरण (डूडा) में अब तक 3250 पथ विक्रेता आवेदन कर चुके हैं। उनमें से 2312 फीडिंग ऑनलाइन पोर्टल पर कर दी गई है। डूडा अधिकारियों की मानें तो बैंक की तरफ से आ रही दिक्कतों के कारण लोन स्वीकृति की गति धीमी है। नगर निगम सीमा में 23 हजार 262

**पकड़ा गया बिल्डर का खेल**

मकनपुर गांव के खसरा संख्या-2382 से संबंधित 0.55 हेक्टेयर जमीन का भी लोक निर्माण विभाग द्वारा 1974 में अधिग्रहण किया गया था। मुआवजा नहीं मिलने का दावा करते हुए मकनपुर का एक बिल्डर इलाहाबाद हाईकोर्ट चला गया। सुनवाई के बाद प्रशासन स्तर से उक्त जमीन की फाइल खुलवाई तो पता चला कि 1974 में मुआवजा का भुगतान किया जा चुका है। एनएचएआई को प्रशासन ने इस जांच रिपोर्ट से अवगत करा दिया। वर्ष 2017 में ही एनएचएआई ने उक्त बिल्डर के खिलाफ एफआइआर का अनुरोध किया था। लेकिन अब तक रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई गई है।

पूरी हो गई है। प्रशासन के मुताबिक पुराना मामला होने की वजह से फाइलों को तलाशा जा रहा है। वहीं एनएचएआई के परियोजना निदेशक मुदित गर्ग का कहना है कि लोक निर्माण विभाग खसरा संख्या-1006,1063 और 1064 से जुड़ी जमीन 1972-74 के बीच अधिग्रहित की थी। वर्ष 2016 में लोक निर्माण विभाग ने उक्त जमीन एनएचएआई को हस्तांतरित कर दी। 22 अगस्त को जमीन पर कब्जा लेकर काम शुरू किया गया। 24 अगस्त को काम रूकवा दिया गया। एडीएम सिटी और एडीएम एल ए की संयुक्त समिति

प्रकरण की जांच कर रही है। ऐसे ही एक प्रकरण में प्रशासन, एनएचएआई और कोर्ट को भ्रमित करने वाले मकनपुर के एक बिल्डर के खिलाफ एनएचएआई द्वारा प्रशासन को पत्र भेजकर विधिक कार्रवाई का अनुरोध किया गया है, ताकि रोज कोई नया व्यक्ति कागज लेकर मुआवजा न मांग सके। एडीएम भूमि अध्याप्ति मदन सिंह का कहना है कि किसानों ने जो तथ्य बताए हैं, उनकी जांच की जा रही है। रिकॉर्ड में अधिग्रहण के अलावा मुआवजा वितरण संबंधी पचास साल पुरानी फाइल तलाशी जा रही है।

**उर्वरक की कालाबाजारी ने बिगाड़ा किसान का बजट, प्रशासन ने बनाई टीम**

गाजियाबाद : खेत में धान की फसल लहलहा रही है समय पर पर्याप्त यूरिया उर्वरक न मिलने से पैदावार कम होने की आशंका को लेकर किसान परेशान हैं। गन्ना किसान भी टेंशन में हैं। किसान को बाजार से मंहगे दामों पर खरीदना पड़ रहा है। सरकारी बिक्री केंद्रों पर तय 266 रुपये की जगह 270 और 280 तक में किसानों को बेचे जाने का आरोप है। कृषि विभाग का दावा है कि छापे मारकर जांच की जा रही है। कालाबाजारी रोकने को प्रशासन ने पांच टीम बना दी हैं। मुरादनगर ब्लॉक के 23 उर्वरक

केंद्र, भोजपुर के 34, लोनी के 11 बिक्री केंद्रों के अलावा रजापुर ब्लॉक और गन्ना समितियों के आठ यूरिया उर्वरक बिक्री केंद्रों पर प्वाइंट ऑफ सेल (पीओएस) मशीन के जरिए यूरिया उर्वरक बिक्री का इंतजाम किया गया है। साल 2018-19 में 22421 हेक्टेयर, 2019-20 में 22369 और इस साल 22776 हेक्टेयर क्षेत्रफल में गन्ना बोया गया है। साल 2015-16 में यह 16426 हेक्टेयर था। गत वर्ष 9853 हेक्टेयर में धान की खेती हुई। इस साल बढ़कर 10358 हेक्टेयर क्षेत्रफल में धान बोया गया है।

**ब्याज पर सात प्रतिशत अनुदान**

इस निधि के तहत बैंक, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों और माइक्रो वित्त संस्थाओं से पथ विक्रेताओं को लोन दिलाया जा रहा है। एक साल में पथ विक्रेताओं को लोन की रकम लौटनी है। इसके लिए मासिक किस्तें तय की गई हैं। लोन पर जो ब्याज निर्धारित होगा, उसमें सात प्रतिशत का अनुदान मिलेगा। यानी पथ विक्रेता पर ब्याज के कारण आर्थिक बोझ नहीं पड़ेगा।

पथ विक्रेता हैं, जो इस योजना के दायरे में आते हैं। इस लेन-देन के आधार पर उनका क्रेडिट स्कोर बनेगा। जिससे पथ विक्रेताओं को भविष्य में बैंकों से ज्यादा राशि का ऋण लेने में मदद

मिलेगी। जिन विक्रेताओं ने पथ विक्रेता के रूप में अपना पंजीकरण नहीं कराया है, वह अब भी अपना नाम डूडा जाकर दर्ज करा सकते हैं। उसके बाद लोन के लिए आवेदन कर सकते हैं।



## Gautam Buddha University debars staff from entering admin block, complainants decry move

**GREATER NOIDA:** After its staff has been rocked by multiple allegations of sexual harassment, the Gautam Buddha University (GBU) on Monday issued a notice asking all its teaching and non-teaching staff not to enter the premises of the administrative block. The notice in possession with TBC states that for safety from Corona virus, all the staff from the teaching and non-teaching section are requested that apart from those working in the administrative block, any other person should not enter the building without permission from a suitable officer. There is no

case of Covid that has come from the university staff so far. “Those wanting to visit the admission, exam, chief warden, chief proctor office, etc can talk to the staffer posted on the reception and enter only after that. All the incharges including the deans, HODs, custodians and incharges of the other departments won’t be debarred,” it reads. However, the complainant in one of the sexual harassment case and the staff officer for the vice chancellor who was suspended over “forged document” issue told TBC that the move was meant to restrict their movement.

## Tenders floated for Sector 15 metro station skywalk

**NOIDA:** Tenders for a skywalk to connect the Sector 15 metro station to an intersection nearby have been floated. Once ready, the skywalk will help pedestrians cross over the busy intersection. The intersection has the Udyog Marg crossing through the main Dadri road and is located close to the metro station exit. This is the first major intersection for commuters heading to Noida from Ashok Nagar in Delhi. At present, commuters have no option but to cross the busy stretch by interrupting vehicular movement.

## SSPHPGTI writes to govt, seeks non-Covid status

**NOIDA:** The Super Speciality Paediatric Hospital and Post Graduate Teaching Institute (SSPHPGTI) in Sector 30 has written to the state government with a request to make the hospital a non-Covid facility since a Covid hospital opened at Sector 39 earlier this month. The hospital has sought to treat patients at the paediatrics, haematology and oncology department. Currently, patients requiring special care are being provided with day care treatment only since the hospital became an L2 facility.

As against 500-600 patients daily earlier at the general OPD and 15-bed emergency and ICU units, including IPD and NICU, the hospital gets 30-40 patients daily at the OPD currently. No new admissions or surgeries are being conducted now. While only one, 10-day-old child with Covid is at the hospital now, three other kids are in isolation. The hospital that has treated 440 Covid patients so far, including 100 children, will continue to conduct RT-PCR and TrueNat tests. It does about 1,700 Covid-19 tests per day.

## RWAs can’t impose specific internet provider on residents

**GNOIDA:** Private developers, residents’ welfare associations, apartment owners’ associations as well as private cooperative housing societies in Noida and Greater Noida cannot force residents to opt for a certain broadband or internet provider, ordered the district magistrate on Saturday. Issuing a binding order for all stakeholders, DM Suhas LY directed private bodies, associations and developers to take note of the Competition Act. Many residents staying in apartments in Noida Extension had raised the issue of internet connectivity.

## Fresh fish business scheme finds 60 takers

NOIDA/GHAZIABAD: The fisheries department in both districts have got about 60 applications from people who are interested in conducting fresh fish business. In a few months, four fish vending vehicles are likely to get launched in Ghaziabad and two have been planned for Noida. The department had floated multiple schemes last month in an attempt to boost the production of carp fish under the Pradhan Mantri Matsya Sampada Yojana. Since then, 33 people in Noida and 27 in Ghaziabad have applied for the schemes. The applicants have shown interest in developing ponds on the outskirts of the

cities for fish farming and supplying the catch through vehicles with ice boxes. “For the first time, we have introduced the concept of live fish vending. Subsidy ranging between Rs 8 lakh and Rs 12 lakh will be offered to entrepreneurs who want to sell fish through modified commercial vehicles. Six people are interested in selling fresh fish in the two districts,” said assistant director of the department, Ajay Kumar Bana. The vehicles would be designed to hold at least 100kg of fish each in a tank. A refrigerating unit to control the temperature of the tank would be fitted to the vehicle and

## Control room team keeps tabs on 111 in home isolation

**Noida:** The district has seen 769 Covid patients in home isolation since July 26 when it started in Gautam Budh Nagar. Of them, 111 are currently active and in home isolation. Ten patients were shifted to hospitals since they needed advanced care and so far, 648 people have recovered. A team of trained operators and 10 doctors has been monitoring those at home through 24x7 tele-consultations twice daily. Each patient is being tracked for at least 10 days from the Home Isolation Cell (HIC)

under the HCL-managed Integrated Covid Command Control Room in Sector 59. A patient’s health parameters, like oxygen saturation level and temperature, are noted regularly. If a person needs hospitalisation, then, assistance is provided by the call centre. Patients who are allowed home isolation are identified by rapid response teams managed by the district surveillance department from testing camps in the district and community health centres in rural areas and Covid hospitals.

## GNIDA sees red as Ghaziabad flats dump waste in green belt

**GNOIDA:** Over the past fortnight, officials of the GNIDA have seized six tractor-trolleys which were illegally dumping waste in its green belt. The drivers and cleaners of these vehicles disclosed the names of certain high-rise apartments located within Crossings Republik township in neighbouring Ghaziabad from where the garbage was collected for disposal. GNIDA has now written to the Ghaziabad GDA providing details of the buildings from where the garbage was collected and has asked it to take action.

## After slowing down, Covid cases in Noida rising again

**NOIDA:** The district has seen a steady rise in the number of daily Covid cases despite the scale of testing remaining the same over the past one week. The number of cases in the first two weeks of this month was 515 and 536, respectively. However, in the third week, it rose to 679. At 138, Tuesday registered the highest number of Covid cases that Noida has seen in a day this month. Officials in the health department, who are already gearing up for a second wave, said they were planning to strengthen door-to-door survey and mount surveillance on

commercial establishments and industrial units where migrant workers are returning. After being accused of not conducting enough tests through June, the Covid response team of Noida scaled up sampling the next month with rapid antigen kits sourced from the state government. As results with these kits were available within minutes, the number of cases shot up since a higher number of tests was being conducted. The situation, however, started stabilising after July 20. Since then, Tuesday was the first time in six weeks when close to 140 cases were reported in Noida.

# UP scraps passes for Delhi-NCR rides, but cops to check Setu app

**NOIDA:** Commuters between Delhi and Noida-Ghaziabad no longer need to show passes to cross the border, a rule that had been in place for the past three months and led to severe inconvenience among those who needed to travel between the cities regularly. A green status on the Aarogya Setu will be enough to allow entry into the UP cities from Delhi. The move follows a UP government directive doing away with every restriction on movement of people and goods across state borders. The state order is in line with a central government directive a few days earlier. Officials, however, clarified that

the restrictions on movement would resume on the two days of weekend lockdown in UP. Noida district magistrate Suhas LY confirmed that anybody wanting to enter the UP city must have a green status on the Setu app. “The state government had issued a notification after the central government’s directive. We are following just that. Movement (along the border) will be restricted during the weekend. On weekdays, normal checks on social distancing norms, Aarogya Setu app, etc. will be carried out,” the DM said. The DM said the requirement of a travel permit or a pass to enter

Noida had been done away with a few days ago. “The administration has not been issuing permits for quite some time,” he added. The easing of restrictions was visible on the ground. The number of cops at the border checkposts has dropped to just two-four from as many as 10-12 even a few weeks ago. Barricades are there, but no one is being asked for passes. Commuters agreed they are hardly being subjected to any stringent checks at the border now. Brajesh Sharma, a senior executive working with a public enterprise, said, “There is little checking happening

now while entering Noida from Delhi. However, the police have opened just three lanes. It would have been better had they opened more lanes.” Restrictions on movement across the borders with Delhi were a contentious issue and had even knocked the Supreme Court’s doors. The apex court had on June 4 directed officials in Delhi, Haryana and UP to convene a meeting and try to come up with “one policy, one path and one portal” for smoother movement of people and goods. Noida and Ghaziabad had cited rising cases in Delhi for imposing the restrictions.

## By 2023, take a metro from Greater Noida to Botanical Garden

**NOIDA:** The route for the crucial second arm of the Aqua Line that will connect it directly with Delhi Metro at Botanical Garden has been finalised by the NMRC. The 11.5km section will branch out from the existing Sector 142 station on the expressway and run straight to Botanical Garden, where it will have an interchange with the Blue and Magenta lines. The line will significantly cut travel time between Greater Noida and the Noida Expressway sectors and Delhi because the Aqua Line currently takes a detour and terminates at Sector 51 where passengers have to get off and walk to the Blue Line to catch

another metro to Botanical Garden. The new line will also ease travel to IGI’s domestic airport for residents of Greater Noida and the expressway sectors because they can travel between their home station and the airport without having to leave the metro system and by changing trains just once (Magenta, at Botanical). Aqua Line currently has no interface with Delhi Metro, affecting both its viability and ridership, which is why the need for this line was felt so strongly. The detailed project report, which the NMRC has finalized, will now be vetted by its board before being sent to the Centre for approval.

## Family of 3 kids sits outside collectorate in protest against admin inaction, DM orders probe

**NOIDA:** It was an unusual sight at the collectorate office when a family of five including the sexagenarian father of a Mubarakpur resident along with his three small kids sat at a dharna with the man crying against the inaction of the administrative officials and Noida police officers despite multiple complaints in the alleged case of illegal occupation of his property. The man identified as Pratap alleged that some of his neighbours were trying to illegally acquire his 50 yard plot purchased in 2018 and a group of the accused led by some womenfolk resort to assault on him and his family.

Pratap who went to the office of the district collectorate along with his father and three kids aged between two and four, sat outside the office and broke down alleging that there was no action despite multiple complaints and rounds of different administrative and police officers. He alleged that he had bought a 50-yard plot in 2018 and it has been duly registered in his name. However, a group of his neighbours have allegedly taken possession of his plot and they have been resorting to assault on him and his family. Pratap alleged that the accused were local strongmen.

# UP: Quarantine rules eased for inbound travellers

**GHAZIABAD:** In a major relief for those coming from abroad, the Uttar Pradesh government on Wednesday announced relaxation in rules. Now, all international travellers, who don't have any Covid-19 symptoms and are returning to the state, will have the option of uploading their negative RT-PCR report on the New Delhi airport website and avoid the seven-day mandatory institutional quarantine. Such persons would, however, need to remain in home quarantine for seven days. Till now, all international travellers had to mandatorily undergo 14-day quarantine — seven days in

institutional or paid quarantine and another seven at home. The rules have also been changed for domiciles travelling from UP to other states for the purpose of work for up to five days. “People found to be symptomatic will have to stay in home isolation and undergo Covid-19 testing as per protocol. If found positive, they will have to be admitted to the hospital,” additional chief secretary, health and family welfare, Amit Mohan Prasad, said, adding that the new guidelines were adopted following changes in the Union health ministry rules. For travellers returning to India who want to

present a negative Covid report, the RT-PCR test must be held not more than 96 hours before the start of the journey. The report and the e-declaration can be posted on www.newdelhiairport.in 72 hours prior to the journey. Prasad said there are exemptions for some international travellers, including pregnant women, those who have come because of a death in the family, those suffering with serious medical conditions and people whose children are below 10 years of age. If they don’t have a Covid-negative report, travellers in these categories can undergo 14-day home quarantine instead of

institutional or paid quarantine. However, in case of any false information or anomaly, the person will be liable to prosecution, said Ghaziabad chief medical officer NK Gupta. Those who are not in exempted categories or haven’t produced a negative report, however, will have to follow the previous protocol. “Any symptomatic person will be isolated immediately and tested as per ICMR-recommended methods for Covid-19 upon arrival. Also, anyone under quarantine will have to immediately report to the district CMO in case they develop any kind of symptoms,” Prasad said.

हेल्प लाईन नंबर	
गाजियाबाद प्रशासन	
डीएम —	2824416
आवास —	2820106
एडीएम (सिटी) —	2828411
एडीएम (प्रशासन) —	2827016
सिटी मजिस्ट्रेट —	2827365
आयकर विभाग—	2714144
पासपोर्ट कार्यालय—	2721779
पुलिस अधिकारी	
एसएसपी —	2820758,9643322900
पुलिस अधीक्षक नगर—	2854015
पुलिसअधी. यातायात—	2829520
सीओ प्रथम—	2733070
सीओ द्वितीय —	2791769
सीओ एलआईयू—	2700925
सीओ लोनी—	3125539
जीडीए	
उपाध्यक्ष जीडीए —	2791114
जीडीए सचिव —	2790891
अस्पताल	
सी.एम.ओ. —	2710754
सी.एम.एस. —	2730038
आपातकालीन —	2850124
कोलम्बिया एशिया —	3989896
यशोदा अस्पताल—	2750001-04
गणेश अस्पताल —	4183900
संतोष अस्पताल —	2741777
सर्वोदय अस्पताल —	2701694
नरेन्द्र मोहन अस्पताल	2735253
जिला अस्पताल(एम्बुलेंस)	2730038
यशोदा अस्पताल (एम्बुलेंस)	2701695
पुष्पांजली क्रांसले हॉस्पिटल	4188000
पुष्पांजली मेडिकल सेन्टर	43075600
बीएसएनएल	
जीएम	2755777
अग्निशमन विभाग	
नगर कन्ट्रोल रूम —	2734906
कोतवाली —	2732099
जिला कन्ट्रोल रूम —	2766898
पुलिस स्टेशन	
एसएचओ इंदिरापुरम—	9643322921
एसएचओ खोड़ा—	9643322922
एसएचओ—साहिबाबाद—	9643322923
एसएचओ लिंक रोड—	9643322924
कोतवाली —	2732088
सिहानी गेट —	2791627
कविनगर —	2711843
विजयनगर —	2740797
इंदिरापुरम —	2902858
लोनी —	2600097
अग्निशमन विभाग	2732099
	9818702101
रेलवे इन्कवायरी —	131
नगर निगम	
नगरायुक्त—	2790425,2713580
विद्युत विभाग	
मुख्य अभियंता —	2821025
पूछताछ	
रेलवे कस्टमर —	2797840, 139
रिजर्वेशन —	8888
रोडवेज इन्कवायरी —	2791102

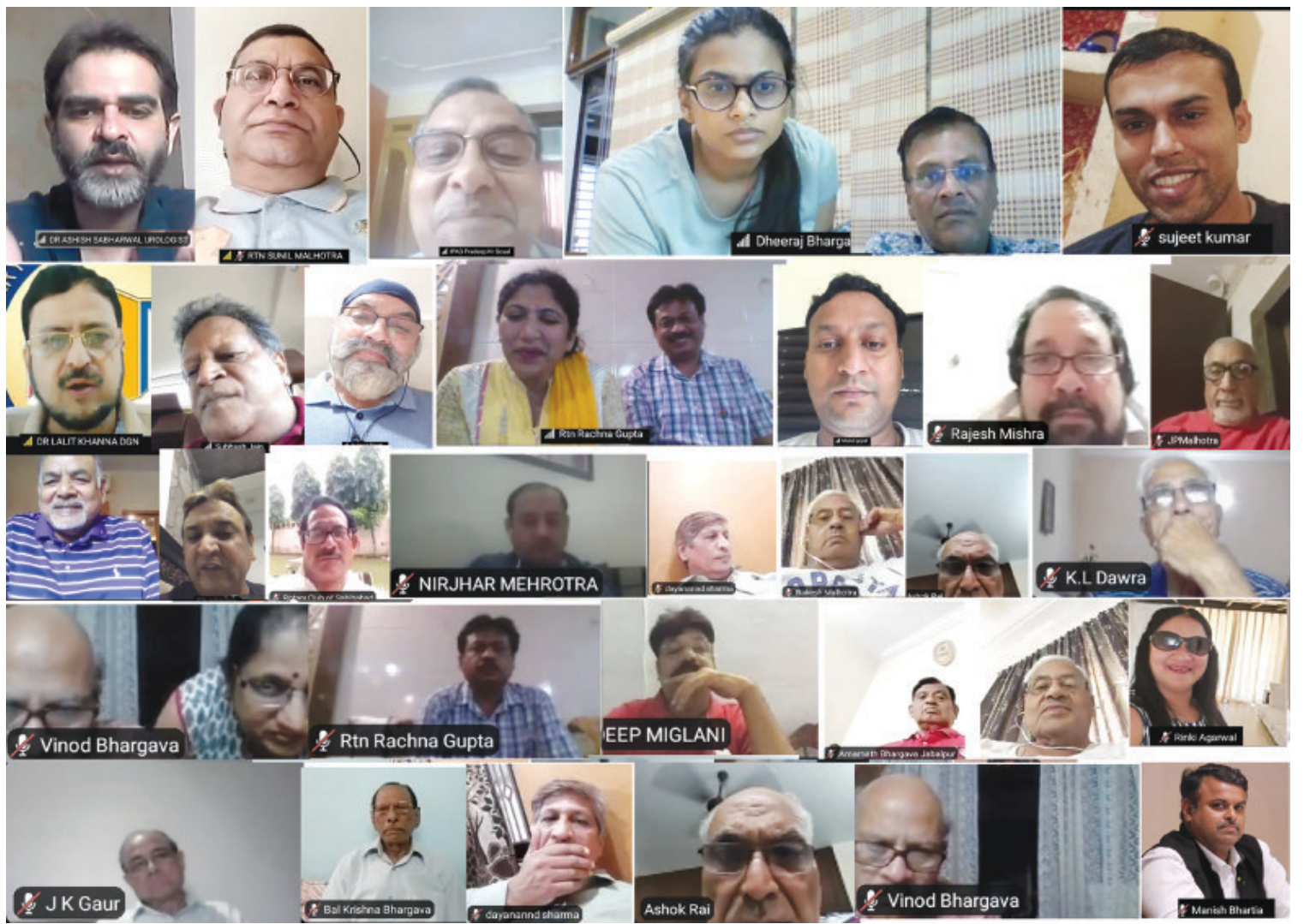
प्रेस विज्ञप्ति, समाचार,  
विज्ञापन के लिए  
सम्पर्क करें।  
**Phone No.:**  
**0120-4561000**



## यूरिन की प्रोब्लम हल्के में न ले, हो सकता है कैंसर : डॉ.आशीष सभरवाल

### आरएचएएम ने फोर्टिस अस्पताल के सहयोग से किया 'बुजुर्गों में यूरिन संबंधी समस्याएं' विषय पर वेबिनार का आयोजन

गाजियाबाद : रोटरी हेल्थ अवेयरनेस मिशन ने फोर्टिस एस्कोर्ट अस्पताल ओखला नई दिल्ली के सहयोग से रविवार को वेबिनार का आयोजन किया। बुजुर्गों में यूरिन संबंधी समस्याएं विषय पर आयोजित वेबिनार में मुख्य वक्ता डॉ.आशीष सभरवाल (वरिष्ठ सलाहकार रोबोटिक्स यूरोलॉजी, फोर्टिस एस्कोर्ट अस्पताल ओखला नई दिल्ली) ने इस संबंध में विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान वेबिनार में शामिल लोगों ने भी डाक्टर से सवाल-जवाब किए। इस दौरान समय पर वेबिनार ज्वाइन करने वालों के लिए लकी ड्रा भी निकाला गया। रोटरी क्लब ऑफ दिल्ली ईस्ट एंड, गाजियाबाद सेंद्रल, इंदिरापुरम गैलोर, गाजियाबाद मेट्रो, गाजियाबाद हेरिटेज, दिल्ली रीगल, गाजियाबाद ग्रीन, सोनीपत सेंद्रल, सोनीपत अपटाउन, गाजियाबाद भार्गव समाज समिति, लोटस वैली इंटरनेशनल स्कूल, मान्यवर कांशीराम राजकीय महाविद्यालय नंदग्राम, गर्ल्स डिग्री कॉलेज का इंग्राहम ने भी वेबिनार में सहयोग किया। **मुख्य वक्ता डॉ.आशीष सभरवाल** ने बुजुर्गों में यूरिन प्रोब्लम के बारे में विस्तार से



जानकारी देते हुए बताया कि यूरिन की प्रोब्लम को हल्के में नहीं लेना चाहिए। यह कैंसर का भी कारण बन सकती है। यूरिन एक बार न आकर बार-बार आना, रात को दो से अधिक बार यूरिन जाना, यूरिन खुलकर

न आना धीरे-धीरे आना, यूरिन में जलन, यूरिन में ब्लड आना, यूरिन लिकेज आदि ऐसी बुजुर्गों को बहुत समस्याएं होती हैं। जिन्हें हल्के में नहीं लेना चाहिए। यदि रात को आप दो बार से अधिक बाथरूम जाते हैं तो बार-बार नींद खुलती है इससे नींद में गिरकर चोट लगने का डर रहता है। नींद पूरी

नहीं हो पाती। इस कारण लोग डिप्रेशन में चले जाते हैं। समय-समय पर अपना हेल्थ चौकअप कराना चाहिए। ब्लड टेस्ट कराए, पीएसए का टेस्ट कराए, अल्ट्रासाउंड जांच कराए। यूरिन में यदि ब्लड आ रहा है तो ये कैंसर के लक्षण हो सकते हैं। इसके लिए प्रोस्टेट कैंसर की जांच

के लिए पीएसए का टेस्ट कराए। प्रदीप गोयल द्वारा इसी संबंध में पूछे गए एक सवाल पर डाक्टर ने बताया कि यदि पीएसए की रिपोर्ट सही आ रही है तो कोई प्रोब्लम नहीं है तो दवाएं लेने की जरूरत नहीं है। इस दौरान केएल चावला द्वारा पूछे गए सवाल रात को सोने से पहले कितना पानी

पीना चाहिए। इस पर डाक्टर ने बताया कि रात को छह बजे के बाद पानी न पिये। दवाएं लेनी है तो चार से छह बजे तक ले लें। खाना भी जल्दी खाए। जगदीश चावला द्वारा यूरिन में जलन संबंधी पूछे गए सवाल पर डाक्टर ने उन्हें पानी अधिक पीने और कुछ दवाएं लेने के बारे में बताया।

## 50 की उम्र पार करने वाले हर साल जरूर कराएं पीएसए टेस्ट : रो.जे.के.गौड़

रोटरी हेल्थ अवेयरनेस मिशन के संरक्षक एवं पीडीजी रो.जे.के. गौड़ ने डाक्टर



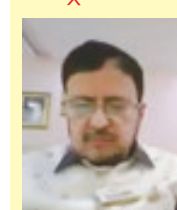
से पूछा कि छह साल पहले उन्होंने अपना हेल्थ चौकअप कराया तो उस दौरान प्रोस्टेट बढ़ा हुआ था क्या ऑपरेशन कराना चाहिए। इस पर डाक्टर ने बताया कि आप हर साल पीएसए टेस्ट कराए यदि टेस्ट रिपोर्ट नॉर्मल आ रही है तो ऑपरेशन कराने की कोई जरूरत नहीं है। 50 साल की उम्र पार करने वाले सभी लोगों को हर साल पीएसए टेस्ट जरूर कराना चाहिए।

रोटरी हेल्थ अवेयरनेस मिशन के संरक्षक एवं पीडीजी रो.डॉ. सुभाष जैन



ने कहा कि डॉ.धीरज भार्गव स्वास्थ्य को लेकर बेहतर कार्य कर रहे हैं। महीने में कई बार स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को लेकर वेबिनार का आयोजन करा रहे हैं यह एक सराहनीय पहल है। इससे लोग कोविड-19 महामारी के दौरान घर बैठकर ही वेबिनार के माध्यम से अपने स्वास्थ्य को बेहतर कर रहे हैं। उन्होंने डॉ.आशीष से सवाल पूछा कि यदि किसी व्यक्ति की एक किडनी में प्रोब्लम है तो यूरिन इन्फेक्शन के कितने चांस हैं। इस पर डाक्टर ने बताया कि एक किडनी से भी काम चल सकता है। बस थोड़ी सावधानी बरतने की जरूरत है। शुगर, बीपी वालों को किडनी में इन्फेक्शन होने की खतरा ज्यादा रहता है। सावधानी ही इसका बचाव है।

डिस्ट्रिक्ट गवर्नर नॉमिनी रो. डॉ. ललित खन्ना

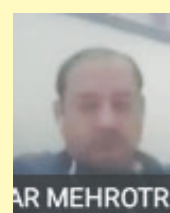


ने डाक्टर से पूछा कि प्रतिदिन कितना पानी पीना चाहिए। इस पर डाक्टर ने बताया कि प्रतिदिन डेढ़ लीटर यूरिन शरीर से बाहर निकले इतना पानी रोजाना पीना चाहिए। क्योंकि कई बार पानी पसीने के रास्ते भी शरीर से बाहर निकलता है। इसलिए पानी उतना पीना चाहिए जिससे गर्मी हो या सदी शरीर से प्रतिदिन डेढ़ लीटर यूरिन बाहर निकले। साथ ही शराब, स्मोकिंग व लाल मीट का सेवन करने से बचे।

रोटरी हेल्थ अवेयरनेस मिशन के अध्यक्ष एवं समन्वयक डॉ.धीरज कुमार भार्गव ने डाक्टर आशीष से पूछा कि पीएसए का टेस्ट कराने के लिए उम्र की सीमा क्या है। इस पर डाक्टर ने बताया कि यदि परिवार में किसी को प्रोस्टेट कैंसर हुआ है तो 40 उम्र के बाद हर साल पीएसए की जांच करानी चाहिए। अन्यथा 50 उम्र पार करने पर हर साल पीएसए का टेस्ट जरूर कराना चाहिए।



आरएचएएम के कोषाध्यक्ष रो. निर्झर मल्होत्रा ने



कहा कि यूरिन इन्फेक्शन जिसे यूरिनरी ट्रैक्ट इन्फेक्शन या यूटीआई कहते हैं, एक आम तौर पर होने वाली स्वास्थ्य समस्या है। यह पुरुषों और महिलाओं दोनों को होती है, पर महिलाओं में यह समस्या ज्यादा देखी जाती है। इसकी वजह है यूरिनरी ट्रैक्ट में बैक्टीरिया का संक्रमण होना। यह संक्रमण कई वजहों से हो सकता है। इसके लिए समय-समय पर जांच करानी चाहिए।

वेबिनार में आरएचएएम के वाइस चेयरमैन संदीप मिगलानी, राजेश मिश्रा, नमन जैन संयुक्त कोषाध्यक्ष मनीषा भार्गव, कार्यकारी सदस्य रो.एन के भार्गव, दयानंद शर्मा, कुनिका भार्गव, अजय कुमार, अमरनाथ भार्गव, अनुरा, बाल कृष्ण भार्गव, सीपी गुप्ता, दीपक मिश्रा, दिलीप झा, डॉ.कमलेश लांबा, डॉ.जीएम सिंह, जेपी मल्होत्रा, केएन द्वारा, कमल, मनीष भरतिया, मोनिका, एनके भार्गव, नरेश ढिंगरा, निशित, पूनम, प्रदीप गोयल, राहुल भार्गव, राकेश मल्होत्रा, रेनुका, रिकी अग्रवाल, जगदीप चावला, रो.रचना गुप्ता, रो.सुनील मल्होत्रा, रो.एच विशाल कंडेलवाल, रो.विष्णु, संजय आनंद जैन, सतीश गुप्ता, एससी गुप्ता, सैफाली, स्नेहलता त्यागी, सुधीर कुमार, सुजीत कुमार, सुनीता गुप्ता, सुरजीत सिंह, विजय भूषण, विनय गुप्ता, विनोद भार्गव, विनोद बुद्धिराजा, विरेन, अशोक राय, दीपक गुप्ता, जेरोलिन लिसबोन सिंह, कृष्णा चंद, रवि त्रिपाठी आदि शामिल रहे।



## फ्रेंडस कॉपरेटिव सोसायटी में कुत्तों का आतंक, युवक को तीन जगह से काटा



साहिबाबाद : वसुंधरा सेक्टर 12 स्थित फ्रेंडस कॉपरेटिव सोसायटी में शनिवार देर शाम एक कुत्ते ने युवक के पैर में तीन जगह काट लिया। स्थानीय निवासी युवक को बचाने के लिए दौड़े तो कुत्ता वहां से भागा। इसके बाद से स्थानीय निवासियों में रोष है। आरोप है कि आए दिन कुत्ते काट रहे हैं। इसकी ऑनलाइन नगर निगम से शिकायत भी की है। विशाल चावला एक सप्ताह पहले ही फ्रेंडस कॉपरेटिव सोसायटी में रहने के लिए आए हैं। वह शनिवार देर शाम अपने पल्ले पर जा रहे थे। इस दौरान पीछे से एक कुत्ता भौंकने लगा। उन्होंने भागने का प्रयास किया। तभी कुत्ते ने दौड़कर विशाल के दाएं पैर में तीन जगह काट लिया। कुत्ते के काटने के बाद से वह डरे हुए हैं।

### सोसायटी में है 25 से अधिक आवारा कुत्ते

फ्रेंडस कॉपरेटिव सोसायटी निवासी सलिल अग्रवाल का कहना है कि सोसायटी में 25 से अधिक आवारा कुत्ते हो गए हैं। आए दिन कुत्ते राहगीरों व सोसायटी वासियों को काट लेते हैं। ऐसे में बच्चे बाहर निकलकर खेलने से भी डरते हैं। कुत्ते लोगों की कार पर बैठे रहते हैं। भगाने पर काटने को दौड़ते हैं। कई बार नगर निगम से शिकायत की गई है लेकिन कुत्तों को सोसायटी से नहीं हटाया जा रहा है।

पशु चिकित्सा एवं कल्याण अधिकारी अनुज ने बताया कि कुत्तों का वधि याकरण व वैक्सिनेशन समय समय पर किया जाता है। कुत्तों को उनके क्षेत्र से नहीं हटाया जा सकता है। जल्द ही टीम भेजकर कुत्तों का वैक्सिनेशन कराया जाएगा।

### अजपा सहकारी आवास समिति के चुनाव व प्रबंधन में गड़बड़ी का आरोप

साहिबाबाद : अजपा सहकारी आवास समिति के चुनाव व प्रबंधन में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए समिति के सदस्य ने पीसीएस अधिकारी समेत 18 लोग के खिलाफ हाल ही में इंदिरापुरम थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। इस मामले में आरोपित पक्ष ने रविवार को अपने ऊपर लगे आरोपों को निराधार बताया है। समिति के पदाधिकारी ने दूसरे पक्ष पर बेवजह परेशान करने और षडयंत्र रचकर रिपोर्ट दर्ज कराने का आरोप लगाया है। समिति के पदाधिकारी अनिल शर्मा ने प्रेस वार्ता कर बताया कि दिल्ली निवासी व्यक्ति ने बेवजह परेशान करने के लिए साजिश रचते हुए 324 व्यक्तियों की एक सूची गलत तरीके से तैयार कर समिति बना ली। यह मामला अभी कोर्ट में विचाराधीन है। उन्होंने चिह्नित व्यक्तियों पर समिति के सदस्यों को परेशान करने का आरोप लगाया है।

## कोरोना को मात देने वाले गंभीर रोगियों का किया जाएगा सर्वे, दस टीमों लगी

गाजियाबाद : कोरोना को मात देने वाले गंभीर रोगियों का अब सर्वे होगा। स्वास्थ्य विभाग इस सर्वे के जरिए पता लगाना चाहता है कि ठीक होने वाले बीमार लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता का स्तर कितना मजबूत है। इनके खान-पान का भी विवरण जुटाया जाएगा। छह महीने में कोरोना की जांच कराने के बाद नेगेटिव रिपोर्ट आने वालों की सेहत का राज भी जाना जाएगा। स्वास्थ्य विभाग ने इस खास सर्वे के लिए दस टीमों का गठन कर दिया है। घर-घर जाकर उक्त का ब्यौरा एकत्र किया जाएगा। अब तक कुल 6611 व्यक्तियों ने कोरोना को मात दी है। इनमें छह सौ बुजुर्ग भी शामिल हैं। कोरोना को मात देने वाले गंभीर रोगियों की संख्या दो हजार से अधिक है। इनमें शुगर, बीपी, सर्वाइकल, हर्ट, किडनी, लीवर और हड्डी रोगी भी शामिल हैं। जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. ज्ञानेंद्र कुमार मिश्रा का कहना है कि

### पौने दो लाख लोगों की आई नेगेटिव रिपोर्ट

मार्च से लेकर 29 अगस्त तक जिले में कुल 193156 व्यक्तियों की कोरोना जांच की गई। इनमें से 183995 व्यक्तियों की जांच रिपोर्ट नेगेटिव आई है। पांच हजार संक्रमित के संपर्कियों की रिपोर्ट भी नेगेटिव आई है। इनकी निगरानी के लिए सर्वे होगा। वहीं कोरोना की जांच कराने के बाद बीस हजार व्यक्ति अपनी रिपोर्ट लेने ही नहीं पहुंचे हैं। इनकी रिपोर्ट नेगेटिव है। अधिकांश व्यक्तियों ने कंटेनमेंट जोन में कराई गई जांच के दौरान सैंपल दिया था।

कोरोना को हराने वाले गंभीर रोगियों का सर्वे होगा। इनकी सेहत का राज पता लगाने के लिए यह सर्वे कराया जाएगा। उनकी वर्तमान सेहत का हाल जानने के लिए बुखार, बीपी, ऑक्सीजन लेवल भी चेक किया जाएगा।



**Gurukul**  
The School

Crossings Republik

# SCHOOL WITH A MOM'S HEART!

## all yours...

**Admission Open for Session 2020-2021 | Classes Pre- Nursery, Nursery, K.G, I & II**

Under the aegis of Gurukul Education Society running Gurukul-The School NH-24, Ghaziabad with



**Saviours Green School Award**



**BRITISH COUNCIL INTERNATIONAL SCHOOL AWARD 2015-2018**

**International Exchange Programme With**

Germany USA Poland China UK Indonesia

**Ranked amongst top 10 schools of Ghaziabad by Times of India, Hindustan Times, Education World for 2012, 2013, 2014 & 2015.**

**Outstanding Award by Tony Blair Faith Foundation, U.K.**



**Parakh Award for Best Infrastructure & Facility provided to students, parents & visitors**

Plot No EF - 7 & 8/E, Crossings Republik, Ghaziabad | Helpline No. : +91-7533009092 | [www.gurukultheschool.com](http://www.gurukultheschool.com)